ST. MONTFORT SCHOOL, BHOPAL

Report on Seminar: "AI in Classroom"
Venue: St. Montfort School, Bhopal
Date: 11.06.2025

On 11th June 2025, **St. Montfort School, Bhopal** organized a seminar for teachers on the CBSE-oriented topic – **"AI in Classroom."** The seminar was conducted by two distinguished educationists – **Ms. Ashu Wadhwa** (Principal, People's Public School) and **Ms. Harpreet Kaur Khurana** (PGT, St. Joseph's Co-Ed School).

The program began with a **prayer**, followed by a **prayer song** that set a positive and reflective tone for the day. This was followed by the **welcoming of the guests**, who were greeted warmly by the school staff and management.

The resource persons then took over the session and conducted an insightful and engaging seminar on the integration of **Artificial Intelligence in the classroom environment**. They emphasized the growing relevance of AI in modern education and how it can be effectively used to enhance teaching methods, personalize learning, and improve student engagement. Practical examples and real-life applications were shared to help teachers understand AI's role in fostering innovation and efficiency in education.

The session left a **strong impact** on the teachers, inspiring them to embrace new technologies with confidence and adapt their teaching approaches to meet the evolving needs of 21st-century learners.

Overall, the seminar was highly beneficial and motivating, encouraging educators to envision a future-ready classroom powered by technology and enriched by human insight.

सेंट मॉन्टफोर्ट स्कूल, भोपाल

सेमिनार रिपोर्ट: "कक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)"
स्थान: सेंट मॉन्टफोर्ट स्कूल, भोपाल
तिथि: 11.06.2025

दिनांक 11 जून 2025 को **सेंट मॉन्टफोर्ट स्कूल, भोपाल** में शिक्षकों के लिए **CBSE द्वारा निर्धारित विषय – "कक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)"** पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार दो प्रतिष्ठित शिक्षाविदों – **सुश्री आशु वाधवा** (प्राचार्या, पीपल्स पब्लिक स्कूल) और **सुश्री हरप्रीत कौर खुराना** (PGT, सेंट जोसेफ को-एड स्कूल) द्वारा संचालित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत एक **प्रार्थना** से हुई, जिसके पश्चात एक **प्रार्थना गीत** प्रस्तुत किया गया, जिसने वातावरण को सकारात्मक और चिंतनशील बना दिया। इसके बाद **आगंतुक अतिथियों का स्वागत** विद्यालय प्रबंधन और स्टाफ द्वारा स्नेहपूर्वक किया गया।

इसके उपरांत संसाधन व्यक्तियों ने सेमिनार की कमान संभाली और **कक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग** पर एक जानकारीपूर्ण और रोचक सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में AI किस प्रकार शिक्षण पद्धतियों को सशक्त बना सकता है, व्यक्तिगत सीखने को बढ़ावा दे सकता है और विद्यार्थियों की भागीदारी को बेहतर कर सकता है। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों और वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से शिक्षकों को AI के लाभों को समझाया।

यह सत्र **शिक्षकों पर गहरा प्रभाव** छोड़ गया, और उन्हें नई तकनीकों को आत्मसात करने तथा 21वीं सदी के विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने शिक्षण दृष्टिकोण को ढालने के लिए प्रेरित किया।

कुल मिलाकर, यह सेमिनार अत्यंत **लाभकारी और प्रेरणादायक** रहा, जिसने शिक्षकों को एक ऐसी कक्षा की कल्पना करने के लिए प्रोत्साहित किया जो तकनीक से सुसज्जित हो और मानवीय दृष्टिकोण से समृद्ध हो।